वे थोड़ा खिसक जाते हैं कि यह झारखंड का है, पता नहीं इसके पास कोई कट्टा, बंदूक या dagger क्या हो। इस तरह की स्थिति है। आज 24 में से 20 जिले वहां नक्सलवाद से प्रभावित हैं। यह स्थिति आज वहां पर है। मैं आपसे बहुत अदब के साथ कहना चाहता हूं कि हम लोग, जो झारखंड में राजनीति करते हैं, वहां पर अपनी जान को हथेली पर रखकर राजनीति करते हैं। हम लोग जब अपने क्षेत्र में जाते हैं तो हमें यह नहीं पता होता है कि रात को हम सही सलामत घर लौटेंगे या नहीं लौटेंगे। कहां lineman मिलेगा, कहां पर आक्रमण हो जाएगा, यह कहना मुश्किल है। हमारा जिला तथा हमारे इर्द-गिर्द जितने जिले हैं, वे भयंकर ढंग से नक्सलवाद से प्रभावित हैं। जिस राज्य को भगवान ने सब कुछ दिया, जादूगुडा की यूरेनियम माइन्स जहां दीं, वह झारखंड इतनी गुरबत में होगा, इतना भाग्यहीन होगा, यह कल्पना के परे बात है। लेकिन यही आजकल वहां पर हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले हमारे गृह मंत्री महोदय झारखंड गए थे। सारे जिला पदाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को उन्होंने बुलाया और उनके साथ बैठक की। उस बैठक के बाद राज्यपाल महोदय ने एक और बैठक की। उसमें भी उन्होंने जिला पदाधिकारियों को बुलाया। मैं मंत्री महोदय से कहूंगा कि वे इस बात की पड़ताल कर लें, उनके जो पदाधिकारी official gallery में बैठे हैं, उनसे वे पूछ लें, क्योंकि वहां के अखबारों में यह खबर छपी थी कि देश के गृह मंत्री को भी गुमराह किया गया, उनको गलत आंकड़े दिए गए। जब राज्यपाल महोदय ने मीटिंग की तो वहां दूसरे आंकड़े दिए गए और जब गृह मंत्री ने मीटिंग की तो कुछ और आंकड़े दिए गए। महोदय, हज़ारीबाग के बगल का एक जिला चतरा है। चतरा घोर नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र है। चतरा के बारे में जब सवाल पूछा गया तो कोई बताने को तैयार नहीं था। तब एक महिला पदाधिकारी, आई.ए.एस. पदाधिकारी आगे आयीं और उन्होंने गृह मंत्री से कहा कि सर, मैं वहां दस महीने के लिए डिप्टी कमिश्नर थी। तब गृह मंत्री जी ने पूछा कि दस महीने ही क्यों? तब पता चला कि दस महीने के बाद उनका तबादला हो गया। लेकिन उस पूजा सिंहल का, जो चतरा में दस महीने डिप्टी कमिश्नर रही, इस सदन को सुनकर घोर आश्चर्य होगा, दो महीने में उनका ट्रांसफर...।

श्री उपसभापति : सिन्हा जी, मंत्री जी को जाना है, वे एक स्टेटमेंट करना चाहते हैं।

———————

INFORMATION TO THE HOUSE

Developments in Bangladesh

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I have to leave as I have some assignment. A delegation is coming to see me. In the morning I had informed in response to Mr. Ahluwalia*ji* that I would ascertain from our High Commissioner in Bangladesh as to what has happened. What is happening there is absolutely their internal matter and naturally we would not like to make any comment on it. But this much I can share that in Bangladesh there is an elected Government. People have reposed their faith and confidence in the elected Government. It is their matter; they will handle it. Our best wishes are always with Bangladesh. So far as our border is concerned, it is absolutely secured. Our BSF and other security forces are protecting our border. It is exclusively their internal matter and they are tackling it. I do hope it will be resolved and the local Government is competent enough to take care of them. They have their sovereign Government and they will deal with it in the best possible manner as they feel necessary. This much information I would like to share as Mr. Ahluwalia*ji* requested me, and I will request that we should not discuss or seek any clarification on it. Thank you.